IUCN रेड लिस्ट अपडेट 2023

स्रोत: आई. यू. सी. एन.

हाल ही मे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में एक अद्यतन किया गया, जिसमें हज़ारों नई प्रजातियों के आकलन और पुनर्मूल्यांकन शामिल हैं।

- यह जानकारी पार्टियों के 28वें सम्मेलन में प्रस्तुत की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर प्रकाश डाला गया।
- IUCN रेड लिस्ट में अब 157,190 प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें से 44,016 पर विलुप्त होने का खतरा है।

रिपोर्ट की मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **जलवायु परिवर्तन से विविध प्रजातियों को खतरा:**
  - अटलांटिक सैल्मन से लेकर हरे कछुओं तक की प्रजातियाँ जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते खतरों का सामना कर रही हैं।
  - IUCN महानिदेशक, प्रजातियों की कमी से निपटने के लिये **महत्त्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई** की तात्कालिकता पर ज़ोर देते हैं।
  - IUCN रेड लिस्ट अपडेट जलवायु और **जैव-विविधता संकटों की** परस्पर जुड़ी प्रकृति को रेखांकित करता है, स्थायी समाधान के लिये संयुक्त प्रयासों का आग्रह करता है।
- **मीठे पानी की मछली का आकलन:**
  - **वैश्विक मीठे पानी की मछली प्रजातियों का पहला व्यापक** मूल्यांकन सामने आया है।
    - **मूल्यांकित मीठे पानी की मछली प्रजातियों में से 25% विलुप्त होने के खतरे में हैं।**
    - जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, ओवरफिशिंग और आक्रामक प्रजातियों की कमी में योगदान करती हैं।
- **अटलांटिक सैल्मन पर प्रभाव:**
  - अटलांटिक सैल्मन **(Salmo salar- सल्मो सालार)** रे-फिन्ड वाली मछली है जो एक मीटर तक लंबी हो सकती है, जो उत्तरी अटलांटिक महासागर बेसिन में पाई जाती है। वे एनाड्रोमस हैं, जिसका अर्थ है कि वे ताज़े और खारे पानी दोनों में रहते हैं।
    - अटलांटिक सैल्मन की आबादी में 23% (वर्ष 2006-2020) की कमी आई, जिससे वे कम चिंता वाले क्षेत्र से खतरे के करीब पहुँच गए।
- **हरे कछुए विलुप्त होने का सामना कर रहे हैं:**
  - मध्य दक्षिण प्रशांत और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हरे कछुओं की **आबादी क्रमशः लुप्तप्राय और सुभेद्य** है।
    - जलवायु परिवर्तन उनके पूरे जीवन चक्र में खतरा पैदा करता है, जिससे अंडे सेने की सफलता और भोजन के स्रोत प्रभावित होते हैं।
- **खतरे का सामना कर रहे महोगनी के पेड़:**
  - बड़ी पत्ती वाला महोगनी **(स्विएटेनिया मैक्रोफिला),** एक मांग वाला लकड़ी का पेड़, **कमज़ोर से लुप्तप्राय में स्थानांतरित** हो गया है।
    - **अस्थिर फसल, शहरी अतिक्रमण और अवैध कटाई 180 वर्षों में 60%** की कमी में योगदान करती है।
- **संरक्षण की सफलता की कहानियाँ:**
  - **स्किमिटर-हॉर्नड ऑरेक्स, एक रेगिस्तानी मृग जो जंगल में विलुप्त से लुप्तप्राय** की ओर अग्रसर होता है, **चाड गणराज्य में सफल पुनरुत्पादन प्रयासों** को प्रदर्शित करता है।
  - संरक्षण उपायों के कारण सैगा मृग गंभीर रूप से लुप्तप्राय से लगभग संकटग्रस्त हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) रेड लिस्ट:

- IUCN रेड लिस्ट **जानवरों, कवक और पौधों की प्रजातियों के बीच विलुप्त होने के जोखिम** का आकलन करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक संसाधन है।
- सभी के लिये सुलभ, यह वैश्विक जैवविविधता स्वास्थ्य के एक महत्त्वपूर्ण संकेतक के रूप में कार्य करता है, यह प्रजातियों की विशेषताओं, खतरों और संरक्षण उपायों में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है तथा सूचित संरक्षण निर्णयों एवं नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- IUCN रेड लिस्ट श्रेणियाँ मूल्यांकन की गई प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम को परिभाषित करती हैं।**नौ श्रेणियाँ NE (मूल्यांकित नहीं) से EX (विलुप्त) तक फैली हुई हैं**। गंभीर रूप से **लुप्तप्राय (CR), लुप्तप्राय (EN) और कमज़ोर (VU) प्रजातियों** को विलुप्त होने का खतरा माना जाता है।
- यह [सतत विकास लक्ष्यों]() और [Aichi लक्ष्यों]() के लिये भी एक प्रमुख संकेतक है।
- IUCN रेड लिस्ट में **प्रजातियों की IUCN हरित** स्थिति शामिल है, **जो प्रजातियों की आबादी की पुनर्प्राप्ति का आकलन** करती है और उनके संरक्षण की सफलता को मापती है।
  - **ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ की आठ श्रेणियाँ हैं जैसे**: जंगल में विलुप्त, गंभीर रूप से समाप्त, बड़े पैमाने पर समाप्त, मध्यम रूप से समाप्त, थोड़ा समाप्त, पूरी तरह से पुनः प्राप्त, गैर समाप्त और अनिश्चित।
- **ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़** यह मूल्यांकन करती हैं कि संरक्षण कार्यों ने वर्तमान रेड लिस्ट स्थिति को कैसे प्रभावित किया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. 'संक्रामक (इन्वेसिव) जीव-जाति (स्पीशीज़) विशेषज्ञ समूह' (जो वैश्विक संक्रामक जीव-जाति डेटाबेस विकसित करता है) निम्नलिखित में से किस एक संगठन से संबंधित है? (2023)

(a) अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर)
(b) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूनाइटेड नेशंस एन्वाइरनमेंट प्रोग्राम)
(c) संयुक्त राष्ट्र का पर्यावरण एवं विकास पर विश्व आयोग (यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड कमीशन फॉर एन्वाइरनमेंट ऐंड डेवेलप्मेंट)
(d) प्रकृति के लिये विश्वव्यापी निधि (वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर)

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **संक्रामक जीव-जाति विशेषज्ञ समूह (ISSG) आक्रामक प्रजातियों पर वैज्ञानिक और नीति विशेषज्ञों का एक वैश्विक नेटवर्क है,** जिसका गठन **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)** के प्रजाति उत्तरजीविता आयोग (SSC) के तत्त्वाधान में आयोजित किया गया है। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- **इसकी स्थापना वर्ष 1994 में हुई थी।**
- ISSG **ग्लोबल इनवेसिव स्पीशीज़ डेटाबेस (GISD) का प्रबंधन करता है,** जो विश्व भर में आक्रामक विदेशी प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। ISSG अन्य ऑनलाइन संसाधनों जैसे कि **एलियंस-एल लिस्टसर्व, द इनवेसिव स्पीशीज़ कम्पेंडियम, द ग्लोबल रजिस्टर ऑफ इंट्रोड्यूस्ड एंड इनवेसिव स्पीशीज़ का भी रखरखाव करता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iucn-red-list-update-2023